कार्यालय नगरपालिका मण्डल, छापर (चूरू) राज0

प्रस्तावित वार्ड	विवरण
01	रतनगढ़ रोड़ पर स्थित हमारा पम्प करण फिलिंग स्टेशन से राजीव गांधी पाठशाला भवन जो बन्द हो चुकी है को लेते हुये उत्तर की तरफ चलते हुये पूर्वी तरफ के मकानों को लेते हुये पानी की टंकी से पूर्व की तरफ घुमते हुये पूर्वी तरफ चलते हुये उत्तर व दक्षिण तरफ के मकानों को लेते हुये वापिस दक्षिणी तरफ घूमते हुये पश्चिमी तरफ के मकानात गीता जाटणी आदि के मकान को लेते हुये दक्षिण की तरफ चलते हुये रतगनढ़ रोड़ पर नानूराम लुहार के मकान से वापिस पश्चिमी तरफ चलते हुये रतनगढ़ रोड़ पर स्थित हमारा पम्प करण फिलिंग स्टेशन तक
02	रतनगढ़ रोड़ पर होंडा शो–रूम से दक्षिण दिशा की तरफ चलते हुये पूर्वी दिशा के मकानों को लेते हुये अमित मोदी की प्लॉटिंग से पूर्वी दिशा की तरफ चलते हुये उत्तरी दिशा के मकानों व खाली प्लॉटों को शामिल करते हुये सीधे आदर्श विद्या मन्दिर तक वहां से पूर्वी दिशा की तरफ चलते हुये ओशो पुस्तकालय को शामिल करते हुये पुरानी पॉस्ट ऑफिस तक वहां से उत्तर दिशा में चलते हुये पश्चिमी दिशा के मकान भंवरलाल नाई, यादव सदन को सम्मिलित करते हुये सुराणा सदन तक वहां से पश्चिम दिशा की तरफ मुड़ते हुये दक्षिणी दिशा के मकान पतासी जाटनी, गोविन्दराम सी. आई. होते हुये सुथार भवन तक वहां से उत्तर दिशा की तरफ चलते हुये पश्चिमी दिशा के खाली प्लॉट को लेते हुये रतनगढ़ रोड़ पहुंचकर रोड़–2 चलते हुये बांयी साईड के मकानों को लेते हुये रतनगढ़ रोड़ पर होंडा शो–रूम तक।
03	रतनगढ़ रोड़ पर भरत नाई की होटल के पास कॉर्नर के खाली प्लॉट से पूर्वी तरफ चलते हुये मकान दक्षिण दिशा के मकान भंवरदान चारण, मुन्नालाल डूडी से हेतराम सोनी तक तथा वहां से दक्षिण दिशा की तरफ मुड़कर पूर्वी व पश्चिमी दिशा के मकानों को शामिल करते हुये प्रभूदान जी सामौर ईद्दुदीन सिक्का व चारणों के खाली प्लॉट से चलकर स्टेशन रोड़ क्रोस कर वन विभाग से पश्चिम दिशा की तरफ चलते हुये सीधे सादुलगढ़ बास में जीतु कुम्हार के मकान को शामिल करते हुये मकान कालू को शामिल कर उत्तर दिशा की तरफ मुड़कर पूर्वी दिशा के मकान मालाराम, श्री किशन बुगालिया को लेते हुये जंवरीमल दर्जी से पूर्वी दिशा की तरफ चलते हुये वापिस रतनगढ़ रोड़ पर पूर्वी दिशा के प्लॉट प्रतापदान चारण, गोपाल नाई के धर्म कांटा आदि को शामिल करते हुये भरत नाई के होटल के पास कॉर्नर के खाली प्लॉट तक।
04	आदर्श शिशु वाटिका से दक्षिणी तरफ चलते हुये पूर्वी तरफ के मकान तफरी घर को लेते हुये रामबाग व बल्लू खां के मकान को शामिल करते हुये बीदासर रोड़ को क्रोस कर वन विभाग को शामिल कर पूर्व की तरफ बराबर की सम्पूर्ण मास्टर कॉलोनी के मकानों को सम्मिलित करते हुये राजकीय सीनियर उच्च मा. वि., गान्धी सरोवर को शामिल करते हुये दक्षिण में सारी नगरपालिका सीमा चलते हुये पूर्व में सुजानगढ़ सड़क पार करते हुये ओसिया माता मन्दिर ामिल कर पूरब दिशा की तरफ चलते हुये नगरपालिका सीमा ामिल करते हुये उत्तर दिशा की तरफ चलते हुये पश्चिम दिशा के मकानों व राब ठेका का ामिल करते हुये बस स्टैण्ड रोड़ पर सोहन माली के मकान तक वहां से बीदासर रोड़ पर पश्चिमी दिशा की तरफ चलकर दक्षिणी दिशा के मकान नगरपालिका व गांधी सर्किल को शामिल करते हुये उत्तरी दिशा की तरफ चलते हुऐ पश्चिमी दिशा के मकान मोहन सुथार व महावीर प्रसाद खटीक एवं पटवार घर चलते हुये गट्टू जाटणी को शामिल करते हुये उतरी–पूर्वी कॉर्नर शिव सोनी के नोहरे से पश्चिमी तरफ मुड़ते हुये दक्षिण दिशा के मकानों को शामिल करते हुये आदर्श शिशु वाटिका तक।
05	पश्चिमी सीमा पर स्थित भागीरथ नाई के मकान से दक्षिण की तरफ चलते हुऐ पूरब दिशा के शुभकरण कलाल के मकान को शामिल करते हुऐ स्टेडियम को सम्मिलित करते हुऐ बस स्टैण्ड रोड़ तक तथा बस स्टैण्ड रोड़ से पूर्वी तरफ चलते हुये उत्तर दिशा के मकानों को लेते हुये भोमसिंह दुधोड़िया को नोहरे (नर्सरी) को सम्मिलित करते हुये वहां से उत्तर में चलते हुये पश्चिमी दिशा के मकान चम्पालाल सोनी के मकान को सम्मिलित करते हुये हुलासचन्द पेड़ीवाल, तखतमल सोनी के मकान को सम्मिलित करते हुये पश्चिम में मुड़कर बाजार चौपड़ा होते हुये सींधी पोल, रा.प्रा. गर्ल्स विद्यालय को सम्मिलित करते हुये वापिस भागीरथ नाई तक।

06	पश्चिम में मोहन कड़वासरा के मकान से दक्षिण में चलकर मूलजी नाई के मकान को शामिल करते हुये आसाराम जाट के मकान के सम्मिलित करते हुये दक्षिण में पुरानी नगरपालिका तक वहां से पूर्व में चलकर रेंवतमल नाहटा, टाऊन क्लब, तारदास स्वामी की दुकान को सम्मिलित करते हुये उत्तर में भोमसिंह दुधोड़िया के मकान को शामिल कर चांदमल चोरड़िया के नोहरे तक, वहां से पश्चिम मे घूमकर मेघवाल गोगामेड़ी को शामिल कर पुनः मोहन कड़वासरा के मकान तक।
07	नगर पालिका की उत्तरी पश्चिमी सीमा से दक्षिणी रतनगढ़ रोड़ तक वहां से पूर्व में मांगीलाल जाट पूसाराम जाट से महेन्द्र दास कामड़ की दुकान व मकान को सम्मिलित करते हुये पूर्व में बच्छराज चोरड़िया के नोहरे तक एवं वहां से उत्तर में मुड़कर सीधा रतनगढ़ रोड़ रोड़ (सड़क–2) पर स्थित रावताराम मेघवाल के मकान तक एवं वहां से पश्चिम में मुड़कर चंचल गुरड़ा धनदास कामड़ हरिराम जी का थान दिलीप ढ़ाढ़ी तथा कन्हैयालाल भाकर के पत्थर के कारखाने को सम्मिलित करते हुये पुनः नगरपालिका की पश्चिमी सीमा तक।
08	पश्चिमी सीमा मोहनलाल दुधोड़िया के नोहरे से दक्षिण में चलकर पूर्वी दिशा के मकान पूनमचन्द बोथरा से फतेहचन्द सोनी के मकान दुकान व बाजार चौपड़ा को सम्मिलित करते हुये पूर्व में मुड़कर उत्तर दिशा के मकान गोवर्धन मुंदड़ा सुमेरमल मालू पूर्णमल तापड़िया से पेड़ीवाल धर्मशाला होते हुये जीवण जी खाती की दुकान तक वहां से उत्तर दिशा की तरफ मुड़ते हुये पश्चिमी दिशा के मकान अणतमल जाजू भवंरलाल ओझा होते हुये सांई मन्दिर तक वहां से पश्चिम की तरफ मुड़ते हुये डूंगरमल लाहोटी तक वहां से दक्षिण की तरफ चलते हुये माहेश्वरी भवन व उसके पिछे के हिस्से को सम्मिलित करते हुये हरि लाहोटी के नोहरे तक वहां से पश्चिम की तरफ चलते हुये रावत जी भाटी के नाहरे तक वहां से उत्तर दिशा की तरफ चलते हुऐ पश्चिमी दिशा के मकान को शामिल करते हुये विकास घोटड़ के मकान तक वहां से रतनगढ़ रोड़ से पश्चिमी दिशा की तरफ चलते हुये दक्षिणी दिशा के मकान व दुकान को लेते हुये बैदों के नोहरे तक वहां से दक्षिण दिशा की तरफ चलते हुये पूर्वी दिशा के मकानों को शामिल करते हुये जेठमल भंसाली के मकान व नोहरे तक, वहां से पश्चिमी साईड चलते हुये दक्षिणी तरफ के मकानों को शामिल करते हुये मोहनलाल दुधोड़िया के नोहरे तक।
09	पश्चिम सीमा पर घीसूलाल लखोटिया के मकान को लेते हुये दक्षिण में पेमाराम तापड़िया के मकान को शामिल कर नोहरा रामानन्द पेड़ीवाल तक वहां से रेल्वे स्टेशन रोड़–2 पूर्वी तरफ उतर दिशा के मकान ओमप्रकाश प्रजापत व नानूराम सुरेका को लेते हुये असगर मीट की दुकान तक वहां से उतर दिशा की तरफ चलते हुये पश्चिमी दिशा के मकान शंकर हलवाई को लेते हुये मैन बाजार रोड़ पर रामेश्वर तापड़िया की दुकान तक तथा वहां से पश्चिमी दिशा की तरफ चलते हुये दक्षिणी दिशा के तरफ के मकानों को लेते हुये घीसूलाल लखोटिया के मकान तक।
10	रेल्वे स्टेशन रोड़ पर लालखां लखारा के मकान से दक्षिणी तरफ चलते हुये नगरपालिका की पूरी सीमा को सम्मिलित करते हुये पूर्व में सीमा–2 चलकर चेतोलाई सरोवर को छोड़ते हुये उत्तर में रामपुर–देवाणी मार्ग पर करवों की दुकान तक तथा वहां से बस स्टैण्ड रोड़ क्रोस कर उतरी तरफ चलते हुये पश्चिम कॉर्नर पर चौधरी मेडीकल स्टोर से उतरी तरफ चलते हुये पश्चिमी दिशा में ब्रहमण हितकारिणी को शामिल कर उत्तर में मकान मुमताज धोबी को शामिल करते हुये पश्चिम में चलकर दक्षिण दिशा के मकानों व हनुमानजी मन्दिर को शामिल करते हुये श्रद्धानन्द नाई के मकान व दुकान तक, वहां से दक्षिणी दिशा की तरफ चलते हुये पूर्वी दिशा के मकान डालमचन्द सोनी आदि को शामिल कर रजाक जी तेली के मकान तक वहां से बस स्टैण्ड रोड़ क्रोस कर पश्चिमी दिशा की तरफ चलते हुये दक्षिणी दिशा के मकानों को शामिल करते हुये लालजी लखारा के मकान तक।
11	पश्चिमी सीमा चांदजी दर्जी के घर से दक्षिण में पूर्वी दिशा के मकान व जन हितकारिणी विद्यालय को सम्मिलित करते हुये घीसुलाल जी लखोटिया व किसनलाल जी जाजू के मकान से लाहोटी धर्मशाला तक, वहां से पूरब दिशा की तरफ चलते हुये उत्तर दिशा के मकान व दुकानों को शामिल करते हुये नारायण प्रसाद बोरायड़ा की दुकान तक वहां से उत्तर दिशा की तरफ चलते हुये पश्चिम दिशा के मकान अरूणा बाई नर्स चम्पा देवी रतावा, रतावा कुटीर आदि को लेते हुये चन्दनमल सारड़ा के मकान तक वहां से पश्चिमी दिशा की तरफ चलते हुये दक्षिण दिशा के मकान प्रकाश नाई तक वहां से उत्तरी तरफ चलते हुये पश्चिमी दिशा के मकान मुन्दड़ा निवास से दयानन्द जांगीड़ के मकान तक वहां से पश्चिम में चलते हुये दक्षिण दिशा के मकानों को शामिल करते हुये चांद जी दर्जी तक।

12	पश्चिमी सीमा पर भीवजी खटीक के मकान से दक्षिण दिशा की तरफ चलते हुये पूर्वी दिशा के मकान कासम कुंजड़ा के मकान को लेते हुऐ मुन्दड़ा के नोहरे तक वहां पूरब दिशा की तरफ चलते हुये उत्तर दिशा के मकानों को लेते हुये श्री किशन मुन्दड़ा के मकान तक वहां से दक्षिण दिशा की तरफ पूर्व दिशा की तरफ कॉर्नर पर स्थित बेदों के नोरे से हरि लाहोटी के नोहरे तक वहां से पूरब दिशा की तरफ मुड़ते हुये उत्तर दिशा के मकान लेते हुये कन्हैयालाल नाई के मकान तक वहां से सड़क के कॉर्नर पर आनन्द रतावा के मकान से दक्षिण दिशा में चलते हुये कृष्ण सदन तक वहां से पूर्व दिशा की तरफ चलते हुये उत्तरी दिशा के मकान शामिल करते हुये महावीर जांगीड़ के मकान तक वहां से कॉर्नर के लेखराज भाटी इन्डोर स्टेडियम से दक्षिण दिशा की तरफ चलते हुये पूर्वी दिशा के मकानों को लेते हुये जाजू निवास तक तथा वहां से पूर्वी तरफ चलते हुये उत्तरी दिशा के मकानों को शामिल करते हुये गोपाल जाजू तक तथा वहां से पश्चिम दिशा के मकानों को शामिल करते हुये पवन जाजू के नोहरे व महावीर आटा चक्की, बिहानी सदन, मरूधर स्कूल से रतनगढ़ रोड़ पर जीतमल की दुकान तक तथा वहां से पश्चिमी तरफ चलते हुये दक्षिण दिशा के मकानों बाबूलाल जांगीड़, लक्ष्मी मार्बल होते हुये डॉ. गिरधारी के मकान तक।
13	पश्चिम सीमा रतनगढ़ रोड़ पर भंवरसिंह जी की आटा चक्की से दक्षिण में झूमरजी बंडवाला को शामिल करते हुये पवन बंग (जीवण जी बंग) के घर तक वहां से पूर्व में मुन्दड़ा गेस्ट हाऊस को शामिल करते हुये पत्रकार अरविन्द पारीक के घर तक, वहां से उत्तर में चलते हुये पश्चिम दिशा के मकान नत्थू महाराज व राजकुमार प्रजापत के घर को शामिल करते हुये रतनगढ़ रोड़ पर पहुंच कर पश्चिम दिशा में दक्षिणी दिशा के मकानों को शामिल करते हुये भंवरसिंह की आटा चक्की तक।
14	जीवण जी सुथार के मकान से दक्षिणी तरफ चलते हुये पूर्वी तरफ के मकान पांचीराम जाजू के मकान को लेते हुये, चैनरूप दायमा के मकान को शामिल करते हुये श्रीभगवान बिहाणी के मकान तक वहां से पूर्वी दिशा की तरफ चलते हुये उत्तर दिशा के मकान को लेते हुये कमल किशोर जोशी व वृद्धिचन्द करवा के मकानों को लेते हुये पूनमचन्द सुंठवाल के नोहरे तक, वहां से उत्तर दिशा की तरफ चलते हुये पश्चिम दिशा के मकान को शामिल करते हुये गंगाराम जी के मकान व पानी की टंकी को शामिल करते हुये रावों के हनुमान मन्दिर व श्याम मन्दिर को शामिल करते हुये प्रहलाद जी पारीक व निर्मल जी के नोहरे तक, वहां से पश्चिमी दिशा की तरफ चलते हुये दक्षिण दिशा के मकानों सुरेश मास्टर, श्रवण प्रजापत को शामिल करते हुये जीवण जी सुथार के मकान तक।
15	अशोक स्तम्भ के पास सुराणों के नोहरे से दक्षिणी ओर सरकारी अस्पताल तक वहां से स्टेशन रोड़ पार करते हुये लिछमा दर्जी के घर तक वहां से दक्षिण में चेतोलाई शिवालय एवं नगरपालिका की दक्षिणी सीमा लेते हुये पूर्व की ओर श्मशान (ब्राहमणों के), आदि को शामिल कर उत्तर दिशा की तरफ चलते हुये वहां नगरपालिका की दक्षिणी पूर्वी सीमा शामिल करते हुये उत्तर की तरफ चलते हुये स्टेशन रोड़ तक व स्टेशन रोड़ से पश्चिमी तरफ चलते हुये से दक्षिणी तरफ के समस्त मकानों को शामिल करते हुये चारण श्मशान तक वहां से स्टेशन रोड़ क्रोस कर उतर दिशा की तरफ चलते हुये पश्चिम दिशा के मकान ईशाक सुथरा व विद्यालय नं. 05 को लेते हुये दक्षिणी दिशा में राजपूत गुवाड़ को शामिल करते हुये केसरीसिंह राजपूत के मकान तथा पश्चिम की ओर विशाल सिंह, गुमानाराम जाट के मकान बाबू ढ़ोली के मकान को शामिल कर व पश्चिम में हरिप्रसाद जोशी के मकान को शामिल कर सुराणों के नोहरे तक।
16	अली लीलगर के घर से दक्षिणी तरफ चलते हुये पूर्व दिशा के मकानों को शामिल करते हुये भंवरलाल रैगर तक तथा पूरब दिशा की तरफ रतनगढ़ रोड़ की तरफ चलते हुये उत्तर दिशा के मकानों को शामिल करते हुये मेगा हाईवे तक वहां से उत्तर व पूर्वी दिशा की आबादी को शामिल कर उत्तर दिशा की तरफ चलकर रणधीसर गांव कच्चा रास्ता से इन्द्रा कंवर के मकान होते हुये वापिस पश्चिम दिशा की तरफ चलकर अली लीलगर के मकान तक
17	अली लीलगर के मकान से दक्षिणी तरफ चलते हुये मकान अजीम, गफूर, ओमप्रकाश गिंवारिया आदि को शामिल करते हुये रेल्वे स्टेशन रोड़ पर स्थित मकान भंवराराम रेगर तथा वहां से पूर्वी तरफ चलते हुये रेल्वे स्टेशन तक पालिका सीमा में स्थित ढ़ाणियों को शामिल करते हुये वापिस पश्चिम दिशा की तरफ घूमकर अली लीलगर के मकान तक।

18	रतनगढ रोड पर हरी प्रसाद जोशी की बाडी में दक्षिण की तरफ कच्चे रास्ते की तरफ चलते हुए मकान पवन राव आदि को शामिल कर आगे पक्के रास्ते पर पूनम टैंट हाऊस के पिछे की गली के समस्त मकानों को लेते हुये नन्द जी निर्वाण के मकान तक तथा वहां से पूर्व दिशा की तरफ चलते हुये उत्तर दिशा के मकान भंवरलाल मेघवाल, कुन्नाराम आदि के मकान तक तथा वहां से दक्षिण की तरफ चलते हुये पूरब दिशा के मकानों को शामिल करते हुये बालाराम सुथार तक तथा वहां से पूर्व दिशा की तरफ चलते हुये उत्तर दिशा के मकानों को लेते हुये शिवशंकर अठवाल तक तथा वहां से पुनः उत्तर की ओर चलते हुये पश्चिम दिशा के मकानों को शामिल करते हुये राजूराम नायक टैंट हाऊस तक तथा वहां से पूरब की तरफ चलते हुये उत्तर दिशा के समस्त मकान व प्लॉटों को शामिल करते हुये तथा मास्टर नेमीचन्द बेनीवाल व रामनगर आदि को शामिल करते हुये आगे नगरपालिका की पूर्वी आबादी को शामिल कर उत्तर की तरफ चलते हुये रतनगढ़ रोड़ से पश्चिम की तरफ चलते हुये दक्षिण दिशा के सभी मकानों को शामिल करते हुये हरिप्रसाद जोशी की बाड़ी तक।
19	गणेश मन्दिर रोड़ पर दक्षिणी दिशा पर स्थित बिहाणी नोहरा से पूर्वी दिशा की तरफ चलते हुये दक्षिण दिशा के मकान श्याम कुटीर को लेते हुये रांकावत निवास होते हुये गोपाल स्वामी की खेड़ी तक वहां से दक्षिण दिशा की तरफ चलते हुये पूर्वी दिशा के मकान श्याम बाबू व पूनम टैंट हाऊस को शामिल करते हुये चांदरतन पारीक के मकान तक, वहां से पूर्व की तरफ मुड़ते हुये पश्चित दिशा के मकान पाबूसिंह को लेते हुये मोबाईल टावर, भरत सिंह के मकान तक, वहां से पश्चिम दिशा की तरफ मुड़कर गोगामेड़ी व राजकीय विधालय नं. 04 तक तथा वहां से पश्चिमी तरफ चलते हुये उतरी दिशा के मकान लुहार बस्ती को शामिल करते हुये कॉर्नर के मकान हनुमान जी ब्राहमण के मकान तक वहां से उत्तरी दिशा की तरफ चलते हुये पूर्वी दिशा के मकान गौरीशंकर बल्दुआ, तोलाराम सुंठवाल, श्याम जी जोशी, सागरमल जोशी, झूमरमल खाती, राजेन्द्र मदेरणा आदि के मकान को शामिल करते हुये गणेश मन्दिर रोड़ पर स्थित बिहाणी नोहरा तक।
20	रतनगढ़ रोड़ पर सारड़ों की प्याऊ से गणेश मन्दिर रोड़ की तरफ चलते हुये पूरब व पश्चिम दिशा के पूरखाराम जी पाण्डिया आदि के खेड़ा, गणेश मन्दिर रोड़ के दोनों तरफ के मकानों को सम्मिलित करते हुये गोविन्द पारीक के मकान तक व वहां से पश्चिमी दिशा की तरफ मुड़ते हुये उत्तर दिशा के मकान रामप्रसाद शर्मा के मकान को लेते हुये मांगीलाल जी मुन्दड़ा के नोहरे तक, वहां से उत्तर दिशा की तरफ चलते हुये पूर्वी दिशा के मकान तोलाराम प्रजापत, टीकुदास व रूघ जी प्रजापत को लेते हुये रतनगढ़ रोड़ तक व वहां से पूर्वी दिशा की तरफ चलते हुये दक्षिणी दिशा के मकानों को लेते हुये सारड़ों की प्याऊ तक।
21	रतनगढ़ रोड़ पर मंगतुराम हरिजन का पुराना मकान व सामने के की गली में उतर दिशा की तरफ चलते हुये सुशील हरिजन व बुधाराम मेरड़ा को शामिल करते हुये छोटूराम पुत्र कुशलाराम कांटीवाल के पूर दिशा में डालूराम कांटीवाल के मकान तक वहां से दक्षिण दिशा की तरफ चलते हुये नगरपालिका आबादी क्षेत्र के पास–पास बोथियावास रोड़ पर स्थित खिंवज माता मन्दिर तक तथा वहां से पश्चिमी तरफ चलते हुये उतर दिशा के मकानों व सांई बाबा के मन्दिर व बिजली पावर हाऊस को शामिल करते हुये रतनगढ़ रोड़ पर मंगतुराम हरिजन का पुराना मकान तक।
22	रतनगढ़ रोड़ पर कन्हैयालाल ठेकेदार के मकान से पूर्वी दिशा की तरफ चलते हुये उतर दिशा के मकानों को लेते हुये, हिम्मताराम की दुकान से उतर दिशा की तरफ मुड़कर पूर्वी दिशा के मकान नेमीचन्द सुनगत को शामिल करते हुये इसी मार्ग के नथमल हरिजन को शामिल करते हुये व बनवारी लाल नायक को ामिल करते हुये भागीरथ पुत्र ईनाराम चिनिया से पश्चिम तरफ चलते हुये दक्षिण दिशा की नई बस्ती को शामिल करते हुये ओमप्रकाश अखाराम चौहान के घर तक तथा यहां से दक्षिण की तरफ चलते हुये पूर्वी तरफ के मकान, होली धोरा अम्बेडकर भवन तथा आगे खिराजाराम कांटीवाल के मकान को शामिल करते हुये कन्हैयालाल ठेकेदार के मकान तक।

23	रतनगढ़ रोड़ पर मकान नारायण कांटीवाल से पूर्व दिशा की तरफ चलते हुये उत्तर दिशा के मकानों को लेते हुये एडवोकेट कन्हैयालाल मेघवाल के घर तक तथा वहां से उत्तर दिशा की तरफ चलते हुये पश्चिमी दिशा के मकानों के शामिल करते हुये जीवण कांटीवाल को लेते हुये नवीन स्कूल तक तथा वहां से पश्चिमी तरफ मुड़कर उत्तर व दक्षिणी दिशा के मकानों को शामिल करते हुये जैतारसर मार्ग पर परमानन्द सिद्ध के घर तक तथा वहां से दक्षिणी तरफ जैतासर मार्ग पर चलते हुये पूर्व दिशा के मकान रामलाल प्रजापत, देवाराम मास्टर को शामिल करते हुये रतनगढ़ रोड़ पर नारायण कांटीवाल तक।
24	रतनगढ़ रोड़ पर लुणाराम गोखी के मकान से पूर्वी तरफ चलते हुये उत्तर दिशा के मकानों को शामिल करते हुये हरिजनों की गली को क्रोस कर राजलदेसर रोड़ की तरफ मुड़कर बाबरिया नोहरे से उतर दिशा की चलते हुये पश्चिम दिशा के मकान नानूराम मास्टर, नारायण डूकिया व रामदेवजी मन्दिर को शामिल करते हुये छोटूदान चारण तक तथा आगे पश्चिम दिशा में उपाधियां कच्चा रास्ता की तरफ मुड़कर तथा पश्चिम की तरफ चलते हुये दक्षिण दिशा की नई बस्ती को शामिल करते हुये चुन्नीलाल सिपाही के घर तक तथा वहां से दक्षिण दिशा की तरफ मुड़कर आगे चलते हुये पूर्वी दिशा के मकान मानाराम चौपड़ा को शामिल करते हुये रतनगढ़ रोड़ पर लुणाराम गोखी तक।
25	रतनगढ़ रोड़ पर हीरालाल गोखी, पूर्व पार्षद के मकान से उत्तर की तरफ चलते हुये पूर्वी तरफ के पशुपति नाथ मन्दिर, भंवरजी की दुकान मकानों को शामिल करते हुये सीताराम गोखी के इसी लाईन के आगे के मकानों को शामिल करते हुये चिनाराम कुम्हार के मकान तक तथा वहां से पूर्वी तरफ मुड़कर उत्तर दिशा में शिवपाल सिंह चारण का खेड़ा व दक्षिण दिशा के मकानों को शामिल करते हुये जीवणराम चौहान तक वहां से दक्षिण दिशा की तरफ चलते हुये पश्चिमी दिशा के मकान ओमाराम चौहान को शामिल करते हुये रतनगढ़ रोड़ पर भूरजी के कारखाने तक तथा वहां से पश्चिमी दिशा की तरफ चलते हुये उत्तर दिशा के मकान अली मोहम्मद मणिहार, मंगलदास कामड़ को शामिल करते हुये रतनगढ़ रोड़ पर हीरालाल गोखी, पूर्व पार्षद के मकान तक

अधिशाषी अधिकारी
नगरपालिका, छापर

अधिशाषी अधिकारी
नगरपालिका मण्डल, छापर